सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 161 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 16 जुलाई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

अगर आपको अपने जीवन के लक्ष्य प्राप्त करने हैं तो आपको अपनी आत्मा से शुरुआत करनी होगी।

-ओपरा विनफ्रे

पाकिस्तान श्रीलंका में खेलेगा अपने... 7 | अनुप्रिया का योगी पर फूटा... 3 | भाजपा शासन में कमीशनखोरी... 2

मौत का गोला बनते-बनते बची सिंगापुर से भारत आ रही इंडिगो की फ्लाइट!

सरकार और कंपनी ने क्यों छुपायी ये खौफनाक घटना!

सरकार छुपा रही है इंडिगो की ये सारी कारगुजारी

सिंगापुर से आ रहे यात्रियों ने किया 4PM से खुलासा

समय
27 जून की रात

यात्री
180

फ्लाइट संख्या
6-ई 104, इंडिगो

यात्रियों को अचानक जहाज में जलने की तेज गंध हुई महसूस

फेसबुक और एक्स से पोस्ट हटाने का बनाया दबाव

इंडिगो के कर्मचारियों ने सभी के फोन लेकर फेसबुक और एक्स चेक करना शुरू किया। जिन यात्रियों ने इस घटना के विषय में लिख दिया था उनसे कहा गया कि वे पहले अपनी पोस्ट डिलीट करें तभी उनको भारत भेजने के लिए अगले जहाज की व्यवस्था की जाएगी। एक महिला के पति ने अमेरिका में ही इस मामले में एक्स पर पोस्ट लिख दी थी और इंडिगो को टैग किया था तो इस महिला से कहा गया कि अपने पति से पहले वह पोस्ट डिलीट करवायें।

यात्रियों को बिना किसी स्पष्ट जानकारी के घंटों इंतजार करवाया

अगले दिन यात्रियों को एक अनचाहे चार्टर्ड प्लेन से दिल्ली भेजा गया। इसका कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं था। यात्रियों का कहना है कि कार्गो वही था जो पिछले दिन था। अगर कार्गो में आग लगी तो क्या उसे ठीक किया गया? या ये सिर्फ एक बहाना था। यात्रियों का कहना है कि जहाज में तकनीकी खराबी थी जिसे छिपा लिया गया। इंडिगो ने मामले को बहुत हल्का बनाने के लिए कह दिया कि पायलट को गलतफहमी से लगा की आग का अलार्म बज गया।

संजय शर्मा

लखनऊ। देश अभी कुछ दिन पहले ही एयर इंडिया का वो हादसा नहीं भूला था जिसमें 241 यात्रियों की जान चली गयी थी कि इंडिगो का एक और जहाज आग के शोलों में बदलते-बदलते बचा। मगर इस बात को इंडिगो और सरकार ने किस तरह छुपाया और ये पूरा मामला क्या है आज में आपको इस खबर में बताने जा रहा हूं।

एक के बाद एक इंडिगो फ्लाइट में आ रही हैं भारी गड़बड़ियां

27 जून की रात का समय था इंडिगो की फ्लाइट संख्या-6-ई 104 सिंगापुर के चांगी एयरपोर्ट से दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरती है। फ्लाइट में 180 यात्री और क्रू मेंबर थे। सभी लोग सामान्य तरीके से बैठ हुए अपने गन्तव्य स्थान तक पहुंचने से पहले क्या-क्या करना है इसकी तैयारी में लगे हुए थे। टेकऑफ सामान्य रूप से हुआ और सब ठीक-ठाक लग रहा था। अचानक 15 से 20 मिनट बाद विमान का माहौल एक दम बदल जाता है। यात्रियों को अचानक जहाज में जलने की तेज गंध महसूस होने लगती है। यह गंध इतनी तेज थी कि यात्रियों को लगा विमान में आग लग गई है। कुछ ही मिनटों में जहाज में चीख पुकार मच गई। सभी यात्री रोने और चीखने लगे। तभी क्रू मेंबर ने तेजी के साथ प्रोटोकाल देना शुरू कर दिया। पायलट की आवाज जहाज में गूंजी हम इमरजेंसी लैंडिंग की तैयारी कर रहे हैं। कृपया शांत रहें। यात्रियों को ब्रेश ऑफ इंपैक्ट पोजिशन में बैठने को कहा गया। यह वो स्थिति होती है जिसमें यात्रियों को अपने सिर को नीचे झुकाकर पीछे से सिर को पकड़ना होता है। जिससे किसी चीज के जहाज के टकराने पर चोट कम लगे। यात्री देखते हैं कि एक खतरनाक तरीके से फ्लाइट मोड़ी जाती है और मलेशिया के पुत्रजया के पास एक छोटे एयरपोर्ट की तरफ ले जायी जाती है।

ऐसा लगा आ गया जीवन का आखिरी पल

जहाज की लैंडिंग इतनी खतरनाक थी कि यात्रियों को लगा की ये उनके जीवन का आखिरी पल है। जैसे ही जहाज रुका बाहर फायरब्रिगेड और पुलिस की गाड़ियां मौजूद थीं। जहाज में जलने की गंध और तेज होती जा रही थी। इसके बाद पायलट ने केबिन से बाहर आकर कहा कि कार्गो में आग लग गई थी। लेकिन यात्रियों को इस पर यकीन नहीं हुआ। जहाज पर सवार एक यात्री ने 4पीएम को बताया कि उनको कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गयी। यात्रियों को जहाज से निकाल कर टर्मिनल में ले जाया गया। तब तक यात्रियों के परिजन परेशान को गये थे जो जहाज को लाइव ट्रैक कर रहे थे। इस दौरान कुछ लोगों ने फेसबुक और एक्स पर घटना की जानकारी लिख दी थी।

अब तक इंडिगो ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया

इंडिगो ने संभवतः इस पर कोई बयान जारी नहीं किया और न कोई माफी मांगी और न कोई स्पष्टीकरण दिया। बड़ा सवाल यह है कि क्या इंडिगो को अपनी गलती छिपाने की इतनी जलदी थी कि वो यात्रियों की जान खतरे में डालने को तैयार थी। अगर यह जहाज उसी हालत में दुबारा उड़ाया जा रहा है तो हमारी सुरक्षा की गारंटी कौन लेगा। इससे भी बड़ा सवाल यह है कि सरकार की जिम्मेदारी क्या है। डायरेक्टर जरनल ऑफ सिविल एविएशन की क्या जिम्मेदारी थी? क्या उन्होंने इस घटना की जांच शुरू की? या फिर जैसा यह विभाग बदनाम है वैसा ही किया गया। और मामले को दबा दिया गया। सूत्रों के मुताबिक भारत आने वाले समय में एक बड़ा अंतराष्ट्रीय खेल का आयोजन करने जा रहा है। अगर ये खबर फैल जाये कि भारत का एयर स्पेस सुरक्षित नहीं है तो भारत के लिए एक बड़ी बदनामी हो सकती है। पर बड़ा सवाल ये है कि क्या इसके लिये यात्रियों की जान को खतरे में डाला जा सकता है।

संबंधित खबर पेज-8 पर

भाजपा शासन में कमीशनखोरी तेजी पर : अखिलेश

पूर्व सीएम बोले- हर विभाग और हर कार्य में भ्रष्टाचार और लूट, कहा- जनता 2027 के विस चुनाव में भाजपा की भ्रष्टाचारी शासन को हटा देगी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर फिर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार में भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड टूट गये है। हर विभाग और हर कार्य में भ्रष्टाचार और लूट है। निर्माण कार्यों में कमीशनखोरी के कारण कोई काम मानक के अनुसार नहीं हो रहा है।

प्रदेश के जिलों-जिलों में अभी तक जल जीवन मिशन योजना में बनी पानी की टंकियां टूट रही है। पाइप लाइने फट रही है। सड़कें दरक रही है। अब तो पुल और पुलिया भी टूट रही है। लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में शासन-प्रशासन की लापरवाही के कारण खुले नाले में गिरने से सुरेश लोधी की दुःखद मौत बहुत ही हृदय विदारक घटना है। भाजपा सरकार की संवेदनहीनता की यह पराकाष्ठा है। प्रदेश के अन्य शहरों में भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। इन सबके लिए भाजपा सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है। चित्रकूट में बीते दो दिन पहले हुई मूसलाधार बारिश से जनपद में बाढ़ की स्थित निर्मित हो गई है। चित्रकूट के भौरी-बघवारा रोड में बाल्मिक नदी में राज्य सेतु निगम संस्था की तरफ से बनाए गए पुल का एप्रोच हिस्सा बारिश की वजह से धंस गया। यह पुल उद्घाटन से पहले ही धराशायी हो गया है. वहीं अब उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम और सपा चीफ अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है।सपा चीफ अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा, भाजपा राज में 10 करोड़ की लागत से बना चित्रकूट का पुल उद्घाटन से पहले ही गिरा. भाजपा का भ्रष्टाचार भरभरा कर गिर रहा हैज कभी टंकी, कभी पुल चित्रकूट में उद्घाटन से पहले गिरे पुल को लेकर सवाल खड़े होने से शुरू हो गए हैं। श्री यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की भ्रष्टाचारी शासन को हटाकर विकास के नये युग की शुरुआत करेगी।

सरकार में ऊपर से नीचे तक भ्रष्टाचारियों को संरक्षण

श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री के तेवर सिर्फ दिखावे के है। सरकार में ऊपर से नीचे तक भ्रष्टाचारियों को संरक्षण है। लोग त्रस्त हैं। नाले-नालियों की सफाई तक में लूट चल रही है। राजधानी लखनऊ में ही हल्की बरसात होते ही नाले उफनाने लगे हैं। शहर के मुख्य मार्गों तक में जल भराव के हालात बन रहे हैं। लोग बेबसी में जीवनयापन करने को मजबूर है। लोग नालों में बहे जा रहे हैं।

बारिश शुरू होते ही गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे का भ्रष्टाचार उजागर

अखिलेश यादव ने कहा कि बारिश शुरू होते ही गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे का भ्रष्टाचार उजागर हो गया। सात हजार करोड़ से ज्यादा लागत से कई वर्षों में बनी सड़क दरक गयी। चित्रकूट में करोड़ों रूपये की लागत से बने पुलों का अप्रोच मार्ग धंस गया। भाजपा सरकार में जनता के पैसे की लूट चल रही है। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार की सारी हदें पार हो चुकी है।

सरकार में झूठी बयानबाजी जारी

श्री यादव ने कहा कि सरकार में झूठी बयानबाजी और कागजी बैठकों के अलावा कुछ नहीं हो रहा है। भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार की कहानी बहुत लम्बी है। अवैध खनन, प्राकृतिक संसाधनों की लूट जारी है। ट्रांसफर-पोस्टिंग में हुआ लेन-देन भ्रष्टाचार पहले ही सबके सामने आ चुका है। निवेश परियोजनाओं और इंवेस्ट यूपी की कमीशनखोरी जगजाहिर हो चुकी है। थाने और तहसील पहले से ही भ्रष्टाचार के अड्डे बन चुके है।

बीजेपी का भ्रष्टाचार हुआ उजागर : अनुज यादव

वहीं समाजवादी पार्टी पूर्व जिलाध्यक्ष अनुज यादव ने इस मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर जोरदार हमला बोल है. पूर्व सपा जिलाध्यक्ष ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी का भ्रष्टाचार उजागर हुआ है. पुल इतना खतरनाक धंसा है कि बड़ा हादसा हो सकता था. भारतीय जनता पार्टी सिर्फ हवा का पुल बना रही है, सारे पुल भ्रष्टाचार के गवाही दे रहे है. वही सेतु निगम से उप परियोजना प्रबंधक सीपी दिवाकर ने इसे लेकर फोन पर जानकारी दी है कि ठेकेदार को मौके पर भेजा गया है. साइड की मिट्टी के साथ सड़क धंस गई है, उसको जल्द ठीक कराया जाएगा.

मांगे नहीं मानी तो आंदोलन जारी रहेगा : हनुमान बेनीवाल

सांसद ने भाजपा सरकार को दी चेतावनी, नागौर में जन आक्रोश रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागौर। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) के सुप्रीमो और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व में मंगलवार को नागौर जिला मुख्यालय पर विशाल जन आक्रोश रैली का आयोजन किया गया। रैली में हजारों की संख्या में लोग जुटे और जैसे ही सांसद बेनीवाल मंच पर पहुंचे, उनका जोरदार स्वागत हुआ।

बेनीवाल जब गाड़ी की छत पर सवार होकर सभा स्थल तक पहुंचे, तो युवाओं का जोश देखने लायक था। रैली में खींवसर के पूर्व विधायक नारायण बेनीवाल, मेड़ता की पूर्व विधायक इंदिरा देवी बावरी और रालोप की पूर्व प्रत्याशी कनिका बेनीवाल सहित कई प्रमुख नेताओं ने मंच साझा किया और सरकार व प्रशासन के खिलाफ जमकर आवाज उठाई। सभा को संबोधित करते हुए सांसद हनुमान बेनीवाल ने नागौर में बढ़ती अराजकता का आरोप लगाया और पुलिस अधीक्षक, पूर्व सांसद व भाजपा नेताओं को बजरी के अवैध कारोबार में लिप्त बताया। उन्होंने कहा, हमने पहले भी एक माफिया को नागौर से खदेड़ा था, अब जो नई गैंग घूम रही है उसकी कोई औकात नहीं। नागौर की यह चिंगारी अब पूरे प्रदेश में बदलाव की अलख जगाएगी।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला

सांसद ने भजनलाल हटाओ, राजस्थान बचाओ हैशटैग के तहत चल रहे डिजिटल अभियान पर सरकार द्वारा कार्यकर्ताओं को भेजे जा रहे नोटिसों की निंदा की। उन्होंने कहा कि हम अभिव्यक्ति की आज़ादी पर हमले से डरने वाले नहीं हैं। सरकार चाहे जितना दमन कर ले, जनता की आवाज कभी नहीं दबाई जा सकती। बेनीवाल ने राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव जल्द कराने की मांग को दोहराया। साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि युवाओं को लोकतांत्रिक मंच प्रदान कर उनकी आवाज को मजबूती से उठाएगी।

ओडीओपी में वायनाड कॉफी का शामिल होना प्रशंनीय : प्रियंका गांधी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

कोच्चि। वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा है कि इस पहाड़ी जिले की जीआई टैग वाली रोबस्टा कॉफी का केंद्र के 'एक जिला एक उत्पाद' (ओडीओपी) कार्यक्रम में विशेष उल्लेख किया गया है जो केरल के किसी उत्पाद को ऐसी पहली मान्यता है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया, ''वायनाड कॉफी को भारत सरकार के ओडीओपी कार्यक्रम में श्रेणी ए कृषि के तहत एक विशेष उल्लेख प्राप्त हुआ है।

यह केरल के किसी भी उत्पाद को मिली इस तरह की पहली मान्यता है। उन्होंने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, यह सम्मान वायनाड के किसानों के समर्पण और वायनाड की अर्थव्यवस्था के एक स्तंभ, हमारी जीआई-टैग वाली रोबस्टा कॉफी की विशिष्ट पहचान का जश्न मनाता है''। प्रियंका ने कहा, '' आइए हम अपनी धरती की समृद्धि और इसके लोगों की भावना का सम्मान करें।'' 'एक जिला एक उत्पाद' (ओडीओपी) पहल का उद्देश्य प्रत्येक जिले से एक अनूठे उत्पाद का चयन, ब्रांडिंग और प्रचार करके पूरे भारत में संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना है।

बिहार में मुख्यमंत्री फेस के लिए कई चेहरे : पप्पू यादव

राहुल और खरगे से मुलाकात के बाद दिया ऐसा बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में महागठबंधन के बिहार बंद के दौरान कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार और पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को गाड़ी पर नहीं चढ़ने देने की घटना की खूब चर्चा हुई। इस घटना को लेकर सोशल मीडिया और कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार के पार्टी छोड़ने की भी खूब अफवाहें उड़ाई गई, लेकिन अब पप्पू यादव के एक बयान ने राजनीतिक महकमे में एक बड़ी हलचल मचा दी है।

पप्पू यादव ने स्पष्ट रूप से यह कहा है कि कांग्रेस के पास मुख्यमंत्री पद के लिए कई चेहरे हैं, जिनमें राजेश राम और सांसद तारिक अनवर शामिल हैं। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जो कांग्रेस उनके चुनाव लड़ने से लेकर बिहार बंद कार्यक्रम के तहत जिस तरह से अपने से दूर रखा, उन्हें अब एक बड़ी भूमिका मिलने वाली है। फिलहाल राजनीतिक बाजार में यह दोनों बातें महागठबंधन की परेशानी बढ़ाने के लिए काफी है।बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव दिल्ली पहुंचे और वहां विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। उनकी यह मुलाकात हाई-प्रोफाइल बैठक के दौरान हुई है। इस बैठक में घोषणापत्र समिति के गठन किये जाने, चुनाव को लेकर जल्द जल्द प्रचार शुरू करने और गठबंधन सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे की प्रक्रिया को तेज करने पर व्यापक रूप से चर्चाएं हुई। चर्चा तो यह भी है कि कांग्रेस अब नेतृत्व और चेहरे दोनों पर दांव खेलने के जुगाड़ में है। इस बैठक में बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावारू भी थे। बिहार बंद के दौरान पप्पू यादव और कन्हैया कुमार को ट्रक पर चढ़ने नहीं दिया गया था, जबकि उस ट्रक पर राहुल गाँधी, तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य के साथ-साथ अन्य नेता भी मौजूद थे।

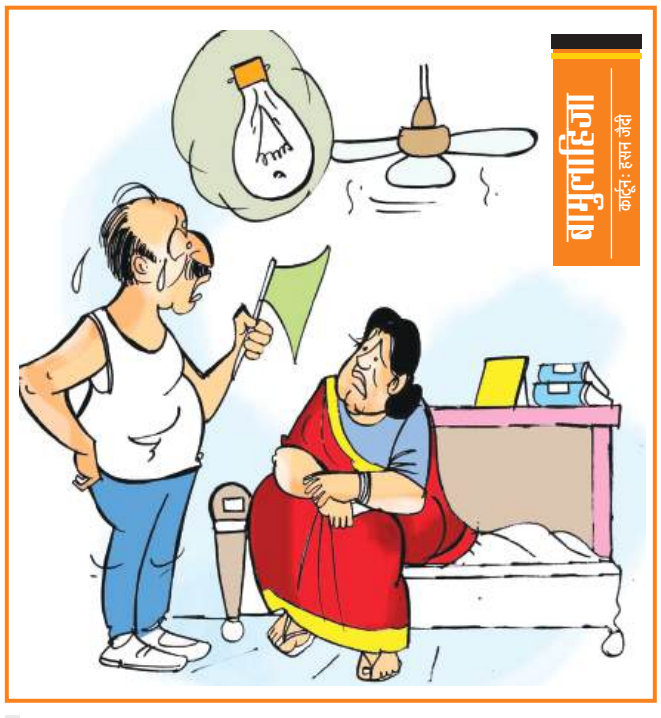

रील देखकर वक्त बर्बाद मत करो : ओवैसी

एआईएमआईएम प्रमुख ने युवाओं से किया अनुरोध

4पीएम न्यूज नेटवर्क

हैदराबाद/पटना। बिहार में जल्द ही विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने वाला है। राजद, जदयू, भाजपा, कांग्रेस के साथ-साथ कई पार्टियां मैदान में उतर चुकी हैं और जनता को अपनी ओर आकर्षित करने में लगी हुई हैं। इस बार बिहार में असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम भी मैदान में अकेले उतरने को बेताब है।

हालांकि, असदुद्दीन ओवैसी ने महागठबंधन में शामिल होने की इच्छा जताई थी। लेकिन महागठबंधन ने ओवैसी को कोई महत्व नहीं दिया। वहीं, इस बीच बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन का मुद्दा भी छाया हुआ है। इसी बीच एआईएमआईएम प्रमुख ने एक बयान दिया है जो चर्चा का विषय बना हुआ है।एआईएमआईएम प्रमुख बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी साहब ने युवाओं से आग्रह करते हुए कहा कि मैं युवाओं से अपील करना चाहूंगा कि वे अपना समय रील देखने में बर्बाद न करें।

मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि वे समाचार पत्र पढ़ें। यदि आप रील देखने में समय बर्बाद करते हैं तो आप नेता, डॉक्टर, इंजीनियर या वैज्ञानिक नहीं बन सकते। इस दौरान उन्होंने बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची संशोधन के दौरान आप बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) को कैसे जवाब देंगे? बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज है।

अनुप्रिया का योगी पर फूटा गुस्सा

चुनाव से पहले एनडीए गठबंधन धराशायी!

» चिट्ठी लिखकर सुनाया लखनऊ से दिल्ली तक हड़कंप!

» नियुक्तियों को तत्काल रद्द करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क/संजीव पाठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में हाल ही में एक नया विवाद सामने आया है। जिसमें एनडीए की सहयोगी पार्टी अपना दल (सोनेलाल)और भारतीय जनता पार्टी के बीच तनाव देखने को मिल रहा है इस विवाद का केंद्र अपना दल (सोनेलाल) के कुछ पूर्व सदस्यों को बीजेपी द्वारा सरकारी निगमों और बोर्डों में दोबारा नियुक्त किया जाना है। जिन्हें पहले पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में अपना दल (सोनेलाल) से निष्कासित कर दिया गया था वहीं इस मुद्दे पर अपना दल (सोनेलाल) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में पार्टी ने कड़ा रुख अपनाया है और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर इन नियुक्तियों पर आपत्ति जताई है।

आपको बता दें कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आर.पी. गौतम ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इन नियुक्तियों को तत्काल रद्द करने और गठबंधन धर्म की गरिमा बनाए रखने की मांग की है वहीं इस पत्र में उन्होंने स्पष्ट किया कि अपना दल (सोनेलाल) एनडीए का महत्वपूर्ण हिस्सा है और लंबे समय से उत्तर प्रदेश में विकास कार्यों में योगदान दे रहा है और उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जिन दो नेताओं मोनिका आर्या और अरविंद बौद्ध को दोबारा नियुक्त किया गया ह। उन्हें तीन साल पहले पार्टी विरोधी गतिविधियों और अनुशासनहीनता के कारण निष्कासित कर दिया गया था।

योगी सरकार के फैसले के खिलाफ सड़क पर उतरीं पल्लवी पटेल

अपना दल कमेरावादी कि अध्यक्ष पल्लवी पटेल और कार्यकर्ताओं ने इसके खिलाफ प्रदर्शन किया। नावेल्टी चौराहे से विधानसभा की ओर बढ़ रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर रोका। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस से नोक झोंक हुई पल्लवी पटेल ने सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया। पल्लवी पटेल ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र और संविधान यह कहता है कि इस देश के हर नागरिक को शिक्षा मिले। योग्यता और प्रतिभा के हिसाब से उसे रोजगार दिया जाए लेकिन जिस प्रकार से मौजूदा सरकार की नीति है उस से यह स्पष्ट है हो रहा है लोकतंत्र के अधिकारों को शोषितों और वंचितों के खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है। पल्लवी पटेल ने कहा कि जो कुछ भी हो रहा है यह योजनाबद्ध तरीके से किया जा रहा है। सबसे पहले सरकारी संस्थाओं को घाटे का सौदा बताते हुए भर्ती रोक दी गई. उसके बाद निजीकरण का जुमला देते हुए ठेके/पट्टे पर चलवाया जा रहा है. अब दूसरी कड़ी में शिक्षा के अधिकारों को चकनाचूर किया जा रहा है. 27746 परिषदीय स्कूलों को बंद किया जा रहा है। जो प्राथमिक स्कूल गांव में है उसमें गरीबों के बच्चे पढ़ने जाते हैं। सरकार का ये फैसला राइट टू एजुकेशन के खिलाफ है।

कुछ बागी नेताओं ने अपना मोर्चा नाम से एक नया संगठन बनाया

वहीं इस विवाद के साथ-साथ अपना दल (सोनेलाल) में एक और चुनौती सामने आई है। कुछ बागी नेताओं ने अपना मोर्चा नाम से एक नया संगठन बनाया ह जिसका नेतृत्व चौधरी ब्रजेंद्र प्रताप सिंह पटेल कर रहे हैं। इन नेताओं ने अनुप्रिया पटेल और उनके पति आशीष पटेल पर गंभीर आरोप लगाए हैं।. जिसमें पार्टी को हाईजैक करने और कार्यकर्ताओं का अपमान करने जैसे दावे शामिल हं.. और उन्होंने यह भी दावा किया है कि उनके पास अपना दल (सोनेलाल) के नौ विधायकों का समर्थन है और वे जल्द ही बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। वहीं इस नए मोर्चे ने यह भी मांग की है कि डॉ. सोनेलाल पटेल की मृत्यु की सीबीआई जांच की जाए..... जिसे वे संदिग्ध मानते हैं, इन बागी नेताओं का कहना है कि अनुप्रिया पटेल ने पार्टी को अपने निजी हितों के लिए इस्तेमाल किया हैऔर कुर्मी समुदाय के हितों की अनदेखी की है।. इस मोर्चे में कई प्रभावशाली नेता शामिल हैं.,इस नए संगठन के गठन ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया मोड़ ला दिया है। खासकर पंचायत चुनावों और आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर.. यह कुर्मी वोट बैंक को प्रभावित कर सकता है जो उत्तर प्रदेश में लगभग 8 फीसदी वोटों को प्रस्तुत करता है।

एनडीए गठबंधन बीजेपी के साथ कई क्षेत्रीय दलों से मिलकर बना है

उत्तर प्रदेश में एनडीए गठबंधन में बीजेपी के साथ कई क्षेत्रीय दलों से मिलकर बना है,. जिसमें अपना दल (सोनेलाल) और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी जैसे दल शामिल हैं, ये छोटे दल बीजेपी के लिए महत्वपूर्ण हैं। क्योंकि वे तमाम जातीय समूहों और क्षेत्रों में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके गठबंधन को मजबूती प्रदान करते हैं,.. हालांकि, गठबंधन के भीतर इस तरह के विवाद गठबंधन की एकता को कमजोर कर सकते हैं.। आपको बता दें कि अपना दल (सोनेलाल) ने हाल के लोकसभा चुनावों में मिर्जापुर सीट पर जीत हासिल की थी जहां अनुप्रिया पटेल ने समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार को 37,810 वोटों से हराया था। हालांकि, दूसरी सीट पर पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के बावजूद पार्टी के भीतर असंतोष. और बागी नेताओं की गतिविधियां अनुप्रिया पटेल के लिए चुनौती बन रही है,. इसके अलावा अपना दल (सोनेलाल) और बीजेपी के बीच यह पहला विवाद नहीं हैपहले भी अनुप्रिया पटेल ने योगी सरकार पर सरकारी भर्तियों में आरक्षण नियमों की अनदेखी का आरोप लगाया था इस बार बागी नेताओं की नियुक्ति का मुद्द औरअपना मोर्चाका गठन गठबंधन के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर सकता है।

बीजेपी से चर्चा किए बगैर नियुक्ति पर बवाल

वहीं विवाद तब शुरू हुआ जब बीजेपी ने इन दोनों नेताओं को बिना अपना दल (सोनेलाल) से बात किए। उनके पुराने पदों पर दोबारा नियुक्त कर दिया इस फैसले ने अपना दल (सोनेलाल) के नेतृत्व को नाराज कर दिया।क्योंकि उन्हें लगता है कि यह गठबंधन धर्म के खिलाफ है और उनकी पार्टी की अनदेखी की गई है. वहीं इस मुद्दे को लेकर अपना दल (सोनेलाल) के प्रदेश अध्यक्ष आर.पी. गौतम ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा जिसमें उन्होंने इन नियुक्तियों पर कड़ी आपत्ति जताई और इन नेताओं को तत्काल पदों से हटाने की मांग की। आपको बता दें कि आर.पी. गौतम ने अपने पत्र में स्पष्ट रूप से कहा कि अपना दल (सोनेलाल) लंबे समय से एनडीए का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में विकास कार्यों में योगदान दे रहा है, और उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मोनिका आर्या और अरविंद बौद्ध को तीन साल पहले पार्टी विरोधी गतिविधियों. संगठन के सिद्धांतों का उल्लंघन और अनुशासनहीनता के कारण निष्कासित किया गया था..... इसके बावजूद इन दोनों को दोबारा नियुक्त करना न केवल पार्टी के लिए अपमानजनक है.. बल्कि यह गठबंधन की पारदर्शिता और विश्वास को भी कमजोर करता है। बता दें कि अपना दल ने पत्र लिखकर कड़ी नाराजगी जताते हुए इन दोनों लोगों को तत्काल उनके पदों से हटाने की मांग की है। वहीं अपना दल (सोनेलाल) ने इन दोनों के स्थान पर अपने कोटे से दो नए नाम सरकार को भेजे हैं, जिन्हें नियुक्त करने की मांग की गई है. वहीं पत्र में यह जोर दिया गया कि गठबंधन की गरिमा और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए यह कदम जरूरी है। ताकि पार्टी कार्यकर्ताओं का एनडीए के प्रति विश्वास बना रहे।. वहीं गौतम ने यह भी कहा कि यह कदम न केवल पार्टी के कार्यकर्ताओं के मनोबल को प्रभावित करता है.बल्कि यह कुर्मी समुदाय और अन्य समर्थकों के बीच भी गलत संदेश देता है। और उन्होंने मुख्यमंत्री से इस मामले में त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध किया ताकि गठबंधन की एकजुटता बनी रहे।

1995 में डॉ. सोनेलाल पटेल ने की थी अपना दल (सोनेलाल) की स्थापना

आपको बता दें कि अपना दल (सोनेलाल) उत्तर प्रदेश की एक क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टी है जिसकी स्थापना 1995 में डॉ. सोनेलाल पटेल ने की थी यह पार्टी मुख्य रूप से कुर्मी समुदाय और अन्य पिछड़े वर्गों के हितों का प्रतिनिधित्व करती है। और उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में इसका खासा प्रभाव है वर्तमान में पार्टी की कमान अनुप्रिया पटेल के हाथों में है। जो केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री हैं। अनुप्रिया पटेल मिर्जापुर से सांसद हैं और उनकी पार्टी एनडीए गठबंधन का हिस्सा है, जिसका नेतृत्व बीजेपी करती है। हाल ही में अपना दल (सोनेलाल) ने कुछ नेताओं को पार्टी विरोधी गतिविधियों और अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निकाल दिया था। जिनमें मोनिका आर्या और अरविंद बौद्ध दो प्रमुख नाम है, मोनिका आर्या को पहले अपना दल (सोनेलाल) के कोटे से अपर शासकीय अधिवक्ता नियुक्त किया गया था। जबकि अरविंद बौद्ध को पूर्वांचल विकास बोर्ड का सदस्य बनाया गया था हालांकि, तीन साल पहले इन दोनों को पार्टी से निकाल दिया गया था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सस्ती दवाओं का लाभ मरीजों को मिले

सरकार ने दावा किया था आम आदमी को सस्ती दवा मुहैया कराने के इरादे से उसने जनऔषधि केंद्र पूरे देश में खोले थे। पर जिस तरह की खबरें आ रही है उसमें तो ऐसा लगता है कि ये हाथी के दांत ही साबित हो रहे हैं। सरकार चाहिए की इस ओर गंभीरता से ध्यान दे कि इन केंद्रों पर दवा की कमी न है। कैंसर और एचआइवी जैसी गंभीर बीमारियों की बेहद महंगी दवाएं बड़ी समस्या बनी हुई हैं। इनमें से कुछ दवाओं की एक डोज ही लाखों रुपए की है। ये दवाएं कमजोर और गरीब तबकों की पहुंच के बाहर हैं। जेनेरिक दवाएं इनका विकल्प हो सकती हैं, लेकिन शिकायतें आम हैं कि डॉक्टरों और दवा कंपनियों की मिलीभगत के कारण जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता बढ़ नहीं पा रही है। इसी साल अप्रेल में दवाओं की कीमतों से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि डॉक्टर सिर्फ जेनेरिक दवाएं लिखें तो मरीजों पर अनावश्यक बोझ डालने पर अंकुश लगाया जा सकता है। जेनेरिक दवाओं के मुद्दे से इतर अब सरकार गंभीर बीमारियों की करीब 200 दवाएं सस्ती करने की तैयारी में है।

ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआइ) के एक पैनल ने इनमें से कुछ दवाओं पर कस्टम ड्यूटी पूरी तरह हटाने और बाकी पर घटाकर पांच फीसदी करने की सिफारिश की है। अगर सिफारिश मंजूर की जाती है तो गंभीर बीमारियों के मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। सरकार ने इससे पहले 2016 में कैंसर, मधुमेह, विषाणु संक्रमण और उच्च रक्तचाप जैसी कई गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 56 दवाओं की कीमतों की सीमा तय की थी। इससे दवाओं की कीमतें 25 फीसदी तक घट गई थीं। फिर भी समय-समय पर दवाओं की ऊंची कीमतों को लेकर सवाल उठते रहे हैं। सवाल यह भी है कि अपेक्षाकृत सस्ती जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता बढ़ाने पर ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा है? भारतीय चिकित्सा परिषद ने 2013 में दिशा-निर्देश जारी किए थे कि जहां तक संभव हो, डॉक्टर जेनेरिक दवाएं लिखें। इस पर अमल होता तो गंभीर बीमारियों का इलाज सस्ता हो सकता था। जेनेरिक दवाओं पर सुनियोजित अभियान की दरकार है। समान गुणवत्ता और असर वाली जेनेरिक दवाओं के प्रति लोगों को भी जागरूक किया जाना चाहिए। कई डॉक्टर जेनेरिक दवाओं के बदले उन बड़ी कंपनियों की दवाएं लिखते हैं, जिनसे उन्हें कमीशन, उपहार और दूसरी सुविधाएं मिलती हैं। चिकित्सा क्षेत्र की इस परिपाटी के निदान के लिए सरकार समय-समय पर कदम उठाती रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस नतीजे देखने को नहीं मिलते।

“ कैंसर और एचआइवी जैसी गंभीर बीमारियों की बेहद महंगी दवाएं बड़ी समस्या बनी हुई हैं। इनमें से कुछ दवाओं की एक डोज ही लाखों रुपए की है। ये दवाएं कमजोर और गरीब तबकों की पहुंच के बाहर हैं। जेनेरिक दवाएं इनका विकल्प हो सकती हैं, लेकिन शिकायतें आम हैं कि डॉक्टरों और दवा कंपनियों की मिलीभगत के कारण जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता बढ़ नहीं पा रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

स्वास्थ्य उपचार में जगी नई उम्मीदें

दीपिका अरोड़ा

कार्यक्षेत्र के आधार पर अपेक्ष्य अनूठी क्षमताओं तथा विशेषताओं को संज्ञान में रखते हुए विशिष्ट अनुप्रयोगों तथा उद्योगों के लिए तैयार 'ड्रोन' अपनी बहु-उपयोगिता के चलते विविध क्षेत्रों में खासी लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। दरअसल, ड्रोन तकनीक को उद्योग जगत में सर्वाधिक मान्यता इसकी विविधता के कारण मिली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, संचार नेटवर्क तथा कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकियों में प्रगति के कारण ड्रोन उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। हालांकि, शुरुआती दौर में इसका उपयोग सीमा नियंत्रण, टोही मिशन तथा लक्ष्य ट्रैकिंग आदि के मद्देनजर बहुधा सैन्य क्षेत्र तक ही सीमित रहा किंतु जैसे ही अन्य क्षेत्रों को इसके व्यापक अनुप्रयोगों के बारे ज्ञात हुआ तो उन्होंने अविलंब ड्रोन तकनीक अपनाना आरम्भ कर दिया। सैन्य निगरानी व हमलों में प्रयुक्त किए जाने वाले रिमोट कंट्रोल अथवा स्वायत्त प्रणालियों द्वारा निर्देशित ड्रोन अब मानव रहित विमान (यूएवी) के तौर पर आधुनिक युद्ध पद्धति में पसंदीदा हथियार बनकर उभर रहे हैं।

वहीं कृषि, मीडिया, फिल्म निर्माण उद्योग जैसे अन्य अनेक क्षेत्रों में भी इनका वर्चस्व बराबर बढ़ा है। कृषि क्षेत्र में ड्रोन का महत्व देखें तो महज़ 15 मिनट में ये लगभग 2.5 एकड़ भूमि पर कीटनाशकों का छिड़काव करने का सामर्थ्य रखते हैं। इनका उपयोग जहां कृषि गतिविधियों जैसे फसल निगरानी, भूमि मानचित्रण, कीट पहचान, कीटनाशक छिड़काव तथा सटीक सिंचाई आदि के लिए किया जाता है, वहीं इसके माध्यम से किसान अपने मवेशियों पर भी निरंतर नजर बनाए रख सकते हैं। थर्मल सेंसर तकनीक खोये जानवर खोजने से लेकर उन्हें लगी चोट या बीमारी का पता लगाने में मददगार बनती है। कृषि बीमा क्षेत्र तक कुशल व भरोसेमंद आंकड़ों के लिए एग्री ड्रोन पर विश्वास जताते हैं। भारतवर्ष में ड्रोन स्टार्टअप का आविष्कार, ड्रोन-प्लांटिंग सिस्टम जहां लागत लगभग 85 प्रतिशत तक घटा देता है, वहीं स्थिरता व दक्षता अपेक्षाकृत बढ़ा देता है। पर्यावरण निगरानी गतिविधियों जैसे- वन्यजीव ट्रैकिंग, वन मानचित्रण, प्रदूषण आकलन तथा जलवायु अनुसंधान में भी ड्रोन का उपयोग तेजी से बढ़ा है।

बाढ़, भूकंप, जंगल की आग आदि सहित आपदा प्रबंधन परिदृश्यों में भी ड्रोन लाइव फीड प्रदान करने, पीड़ितों का पता लगाने तथा सहायता पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संरचनात्मक सुरक्षा बढ़ाने तथा बुनियादी ढांचे की निगरानी करने वाले ड्रोन

मैनुअल जोखिम घटाने में भी सहायक बनते हैं। मीडिया तथा फिल्म निर्माण में गतिशील लाइव इवेंट कवरेज तथा सिनेमाई हवाई दृष्टिकोण प्रदान करने हेतु ड्रोन व्यापक रूप से प्रयुक्त किए जाते हैं। अनेक कंपनियां अपने गोदाम से ग्राहकों के दरवाजे तक सीधी पहुंच बनाने के उद्देश्य से डिलीवरी ड्रोन विकसित कर रही हैं। हाल ही में ड्रोन की गतिशीलता के दृष्टिगत किया गया पायलट अध्ययन स्वास्थ्य उपचार की दिशा में आशा की एक नई किरण लेकर आया है। आपातकालीन चिकित्सा परिस्थितियों में रक्त एवं रक्त-घटकों का समय रहते उपलब्ध होना किसी उपचाराधीन व्यक्ति के लिए संजीवनी बन सकता है। भारतवर्ष जैसे बड़े देश की विविध क्षेत्रीय भौगोलिक विभिन्नता का जायजा लें तो सड़क मार्ग द्वारा समयानुकूल आपूर्ति होने में शंकाएं बनी रहती हैं। उखड़ती सांसों के लिए प्रतिक्षण के महत्व को भांपते हुए वैज्ञानिकों ने दिल्ली तथा एनसीआर के तीन संस्थानों; लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, ग्रेटर नोएडा के गवर्नमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज तथा जेपी इंस्टिट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ने साथ मिलकर एक अध्ययन किया, जिसमें ड्रोन तकनीक का प्रयोग चुनौती के प्रभावी समाधान के रूप में उभर कर सामने आया। विशेषज्ञों के तहत, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में किए गए इस अध्ययन के दौरान ड्रोन ने लगभग 36 किलोमीटर की दूरी मात्र आठ मिनट में तय कर ली, जबकि पारंपरिक वैन को यही दूरी तय करने में 55 मिनट का समय लगा। अध्ययन में कुल 60 ब्लड बैग्स का उपयोग किया गया; जिसमें पूर्ण रक्त, पैक्ड रेड ब्लड सेल्स, फ्रेश फ्रोजन प्लाज्मा तथा प्लेटलेट्स शामिल थे।

ड्रोन व वैन दोनों द्वारा भेजे गए इन नमूनों की बाद में उनके जैव-रासायनिक मानकों की तुलना करने पर परिणाम सकारात्मक ही रहे। अध्ययन की निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने हेतु नमूनों की गुणवत्ता जांचने के लिए 'डबल ब्लाइंड' पद्धति अपनाई गई। वैज्ञानिकों की मानें तो भविष्य में यह तकनीक वैक्सीन, इमरजेंसी ड्रग्स तथा सर्जिकल उपकरणों की आपूर्ति में भी उपयोगी हो सकती है। इससे ग्रामीण व दूरगामी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना सरल हो जाएगा। आईसीएमआर तथा साझेदार संस्थाओं की यह पहल, निस्संदेह, आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य वितरण प्रणाली में बड़ा बदलाव लाएगी। निश्चय ही, प्रत्येक क्षेत्र में नित्य नई क्रांति ला रहे ड्रोन हमारे काम करने के तरीके बदलकर असंभव को संभव बना रहे हैं।

शुभमन के उभार से भारतीय क्रिकेट में शुभ संकेत

प्रदीप मैगजीन

जब जीत की खुशी से ज्यादा हार का डर बन जाए, तो मानस पर संदेह की परत चढ़ जाती है। सफलता की राह में बाधाएं खड़ी करने वाले इस स्व-निर्मित भय को मिटाने के लिए असाधारण प्रयासों की जरूरत पड़ती है। जब सफलता और स्टारडम की एक समान चाहत रखने वाली भारतीय टीम का कप्तान शुभमन गिल को नियुक्त किया गया, तो पूरा भारत आशंकित था। एक ऐसे समाज के लिए जिसे शून्यता में रहने से डर लगता है, वह शून्यता जो 'दैवीय प्रकाश पुंज' के न रहने से बनती है, ऐसे में बेचैन बने अपने अस्तित्व को कुछ मायने और सार देने के लिए एक 'देवदूत' की बेतरह आकांक्षा करता है। भारत के क्रिकेट प्रेमी कल्पना भी नहीं कर सकते थे कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के बिना उनकी दुनिया कैसी दिखेगी। उनका 'परम प्रिय' कोहली दूर चला गया था, जिसने सालों तक एक राजा या मालिक की तरह 'सल्तनत' पर बादशाहत की।

हमारे समय की सबसे प्रभावशाली क्रिकेट शख्सियत, जिसकी प्रशंसक पूजा करते हैं और टेलीविजन चैनलों का सबसे प्रिय। उसने इंग्लैंड में अपने साथियों के साथ टेस्ट मैच में जूझने की बजाय विंबलडन में टैनिस मैच देखना पसंद किया। क्या पता, टेस्ट रन औसत सूची में नीचे फिसलने का डर और लोगों की अपेक्षाओं का बोझ, रन बनाने और सैकड़ा मारने से मिलने वाली खुशी पर हावी हो गया हो। रोहित शर्मा, सितारों वाली नखरेबाजी से सदा दूर, आम लड़के की छवि वाला, पर जिसने क्रिकेट में बहुत ऊंचा मुकाम हासिल किया। उसे यह अहसास करने में थोड़ा वक्त लगा कि उसका वक्त चुक गया है, आखिरकार, इंग्लैंड दौरे के लिए टीम चयन से एक दिन पहले उसने भी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। ऐसे में किसी वरिष्ठ मार्गदर्शक की गैरमौजूदगी में, इंग्लैंड के कठिन और चुनौतीपूर्ण दौरे पर भारतीय टीम दिशाहीन स्थिति में पहुंच सकती था। घर में और विदेशों में, भारतीय टीम को मिली श्रृंखलाबद्ध हार की पृष्ठभूमि में, यह आशंका निराधार नहीं थी।

भारत ने लीड्स के मैदान में रक्षात्मक मानसिकता के साथ पहले टेस्ट मैच में कदम रखा, जो टीम चयन में परिलक्षित हो रहा था। जो आदमी अब सब फैसले लेने और टीम नियंत्रक प्राधिकारी के तौर पर पीछे बचा, वह था विवादास्पद कोच गौतम गंभीर। उसकी इस निर्विवाद शक्ति के पीछे ज्यादा बड़ा कारक है सत्तारूढ़ पार्टी का पूर्व सांसद होना बजाय इसके कि बतौर क्रिकेटर उसकी सम्मानजनक साख रही है या रणनीति या मानव-प्रबंधन कौशल की अच्छी समझ है, हालांकि कोलकाता नाइट राइडर के टीम-कोच के रूप में आईपीएल में वह काफी सफल रहा। फुटबॉल के विपरीत, क्रिकेट में टीम का चेहरा इसका कप्तान होता है न कि कोच या मैनेजर। एक ऐसे खेल में, जो पांच दिन चलता है और मैदान में लिए जाने वाले फैसलों को दूर से बैठकर प्रेषित करना मुश्किल है, कप्तानी का काम कोच के आदेशों से नहीं चल सकता। इन जिम्मेदारियों का भार संभालने और विभिन्न क्षमताओं एवं स्वभावों वाले शेष दस साथी खिलाड़ियों को संभालने एवं अगुवाई करने का बोझ पाकिस्तान की सीमा से लगे पंजाब के एक छोटे से गांव के एक युवा के कंधों पर आन पड़ा।

ग्रामीण पंजाब का एक लड़का, जिसके कृषक पिता ने खेती के साथ-साथ बेटे को पेशेवर क्रिकेटर बनाने में मेहनत की। शुभमन एक रूढ़िवादी आक्रामक, आवेगी व बिना सोचे-समझे काम करने वाले चरित्र जैसा नहीं है। भारतीय क्रिकेट जगत में उत्तर भारतीय बनाम शेष भारतीय विभाजन को लेकर खूब कहानियां रही हैं, कि एक पक्ष में 'बुद्धिमत्ता' का अभाव है तो दूसरा पक्ष 'अक्लमंदी' से परिपूर्ण है। धारणा की इस लड़ाई में, यह बहुत कम मायने रखता है कि अत्यंत शालीन, अपने हुनर में लगभग लयात्मक गेंद फेंकने वाले गेंदबाजों में एक रहे बिशन सिंह बेदी अमृतसर से एक सिख थे। चंडीगढ़ के लड़के युवराज सिंह की ताकत बाएं हाथ की शानदार और धमाकेदार बल्लेबाजी की धार से थी। शालीनता भरे व्यक्तित्व के खिलाड़ियों के इस क्रम में शुभमन गिल का स्थान तीसरा है, बेहतरीन हुनरमंद, जो टी -20 क्रिकेट के इस काल में भी 'बदसूरत स्ट्रोक' खेलने से परहेज करता है। मुक्त प्रवाह वाले उसके ड्राइव शॉट्स कीआर्क, शॉर्ट-आर्म पुल और गेंदबाज का मनोबल डिगाने के लिए क्रीज का इस्तेमाल करते हुए पिच की दूरी को छोटा या लंबा करने की समझ, एक सबक है कि कैसे बल्लेबाजी के जटिल कौशल में महारत हासिल की जाए।

हम में से बहुतों को लगता था उसमें एक खामी है-बॉलिंग लाइन से हटकर खेलने की हड़बड़ी-जोकि इंग्लैंड के मौसम में तेज अथवा फिरकी पिचों पर घातक साबित हो सकती है। स्पष्ट रूप से उसे अपनी इस कमी का भान हो गया था, उसने बहुत अभ्यास कर इस पर काबू पा लिया और एक बार भी पुरानी गलती नहीं दोहराई। गिल ने खुद को उस सर्वोच्च शिल्पकार के रूप में दर्शा दिया है, जिसकी उत्कृष्टतम स्तर की पेशकारी के पीछे की गई कड़ी मेहनत छिपी रही है। लीड्स टेस्ट मैच लगभग उसका रहा, जब अपने खेल से भारत को हावी रखा, हालांकि समाप्ति हार में हुई। यह झटका मजबूत से मजबूत खिलाड़ी को डांवाडोल कर सकता था और कप्तान को तो अपनी अगली योजनाओं के रणनीतिक कार्यान्वयन में और भी अधिक असुरक्षित बना देता। लेकिन, दूसरे टेस्ट मैच में मिली जीत ने दर्शा दिया कि टीम सही रास्ते पर थी और इसने अपने आलोचकों से ज्यादा अच्छी तरह इस बात का मोल समझ लिया कि 'वीरता में विवेक का बड़ा हाथ होता है'।

बेजान त्वचा के लिए अपनाएं ये नुस्खे

खिल उठेगी आपकी स्किन

कौन नहीं चाहता कि उसकी त्वचा खिली-खिली रहे। लेकिन गर्मी के मौसम में चेहरा अपने आप डल होने लगती है। दरअसल, गर्मी में तेज धूप और पसीने से त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसके अलावा कुछ लोग बहुत ज्यादा ही मेकअप करते हैं जिसकी वजह से उनके चेहरे की चमक गायब होने लगती है. हमेशा मेकअप लगे रहने की वजह से आपकी स्किन सांस नहीं ले पाती है जिससे धीरे-धीरे त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है। ऐसे में स्किन का सही तरीके से ध्यान रखना बेहद जरूरी हो जाता है। डल स्किन को हटाने के लिए वैसे तो महंगी-महंगी क्रीमें बाजार में मिलती हैं, लेकिन कई बार ये असर नहीं दिखातीं। ऐसे में कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे हैं जिनके इस्तेमाल से आपकी स्किन की खोयी हुई रंगत फिर से वापस आ जाएगी।

एलोवेरा जेल लगाएं

गर्मी के मौसम में स्किन चिपचिपाहट और ऑयली हो जाती है। एलोवेरा से आप नेचुरल तरीके से त्वचा को साफ कर सकते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी-बैक्टीरियल गुण त्वचा से गंदगी हटाकर उसे साफ और तरोताजा बनाते हैं। इसके लिए एक बार पैच टेस्ट करने के बाद दिन में कम से कम दो बार एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करें। एलोवेरा त्वचा को ठंडक देता है, हाइड्रेट करता है और डलनेस दूर करता है।

नींबू और शहद का फेसपैक

गर्मियों में तेज धूप से स्किन सन बर्न और हाइपरपिगमेंटेशन का शिकार हो जाती है। इसका इलाज शहद और नींबू में छिपा हो सकता है। इसके अलावा ये दोनों एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल भी है जो कि चेहरे की कई समस्याओं के लिए काम आ सकते हैं। इस पैक का इस्तेमाल किया जा सकता है। नींबू ब्लीचिंग का काम करता है और शहद त्वचा को मॉइस्चराइज करता है। ऐसे में सबसे पहले तो एक कटोरी में शहद लें। इसके बाद इसमें नींबू का रस मिक्स करें।

दूध और हल्दी

हल्दी एंटीसेप्टिक है और दूध स्किन को सॉफ्ट व ब्राइट बनाता है। इसलिए बेझिझक इस मिश्रण को इस्तेमाल करें। दूध चेहरे की टैनिंग को हटाने में भी आपकी मदद करेगा। इसलिए हफ्ते में कम से कम दो बार इस पैक का इस्तेमाल करें, और अपनी स्किन को चमकाएं।

पपीता और शहद

पपीते में मौजूद एंजाइम्स मृत कोशिकाएं हटाकर रंगत को बेहतर बनाते हैं। इसका पैक तैयार करने के लिए पपीते को अच्छी तरह से मैश करें। इसके बाद उसमें थोड़ा सा शहद मिलाएं और फिर इसे अपनी स्किन पर 20 मिनट के लिए लगाएं। 20 मिनट के बाद चेहरे को धो दें।

बर्फ

कई बार स्किन पर सनबर्न हो जाता है, जिस कारण चेहरा अपने आप ही डल दिखने लगता है। इसलिए बर्फ से स्किन की सिकाई करें। इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और त्वचा में इंस्टेंट चमक आती है। इसका इस्तेमाल आप हफ्ते में कम से कम 4 बार कर सकते हैं।

आलू का रस

यदि गर्मी से चेहरे पर काले धब्बे और टैनिंग हो रही है तो उसके लिए आलू का रस आपकी मदद करेगा। इसके लिए आलू को कद्दूकस करके उसका रस निकाल लें और फिर उसे चेहरे पर अप्लाई करें। आलू के रस में विटामिन सी, विटामिन बी6, पोटेशियम और फाइबर जैसे कई पोषक तत्व होते हैं। यह सभी तत्व त्वचा को पोषण देने और उसे स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। आलू के रस में एंटी-ऑक्सीडेंट भी होते हैं जो त्वचा को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करते हैं।

गुलाब जल

दिन में बीच-बीच में गुलाब जल को चेहरे पर स्प्रे करते रहें। ये एक अच्छे टोनर के रूप में काम करता है। इसका इस्तेमाल आप सीटीएम रूटीन में भी फॉलो कर सकते हैं। गुलाब जल त्वचा को हाइड्रेट करता है, जिससे वह मुलायम और कोमल बनी रहती है। इसका रोज़ाना इस्तेमाल त्वचा में नमी बनाए रखता है और सूखी त्वचा की प्रॉब्लम को दूर करता है। गुलाब जल त्वचा की रंगत को निखारता है और उसे चमकदार बनाता है। यह त्वचा को एक स्वस्थ और ताजा लुक देता है। यह तैलीय त्वचा के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि यह एक्स्ट्रा तेल को कंट्रोल करता है और त्वचा को फ्रेश बनाए रखता है। गुलाब जल में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो पिंपल्स और दाग-धब्बों को कम करने में मदद करते हैं।

हंसना मना है

मास्टर जी- बताओ शून्य की खोज किसने की थी... गप्पू- आलिया भट्ट, गप्पू गुस्से में मुझसे मजाक करते हो... तभी एक लड़का बोला...सर वो तोतला है आर्यभट्ट कह रहा है...

लड़की- मैं तुम्हारे लिए आग पर भी चल सकती हूं, नदी में कूद सकती हूं। लड़का- लव यू जानूं, क्या तुम मुझसे अभी मिलने आ सकती हो, लड़की- पागल हो क्या इतनी धूप में कैसे आ सकती हूं। लड़की की बात सुनकर लड़के के तो होश ही उड़ गए।

पति- शादी के समय सात फेरे लेते वक्त तुमने वचन दिया था और स्वीकार किया था कि मेरी इज्जत करोगी, मेरी सब बात मानोगी। पत्नी- तो क्या इतने लोगों के सामने तुमसे बहस करती। पतिदेव बेहोश।

हमको यु पागल बनाना छोड़ दो, बेवजह हर बात पे सताना छोड़ दो, तुम्हारी खुशबू अलग ही होती है मेरे दोस्त, बर्तन वाले साबुन से नहाना छोड़ दो।

साली- जीजा अगले जन्म में क्या बनोगे? जीजा- जी छिपकली बनूंगा। साली- वो क्यों? जीजा- क्योंकि आपकी बहन सिर्फ छिपकली से ही डरती है।

कहानी | सफलता ठान लेने से मिलती है

दशरथ मांझी जिन्हें माउंटेन मैन के नाम से भी जाना जाता है, जिन्होंने यह साबित किया है कि कोई भी काम असंभव नहीं है। मांझी बिहार में गया के करीब गहलौर गांव के एक गरीब मजदूर थे। दशरथ काफी कम उम्र में ही धनबाद की कोयले की खान में काम करने लगे, बड़े होने पर फाल्गुनी देवी नामक लड़की से शादी कर ली। अपने पति के लिए खाना ले जाते समय उनकी पत्नी फाल्गुनी पहाड़ के दर्रे में गिर गयी। पहाड़ के दूसरी ओर अस्पताल था, जो करीब 55 किलोमीटर की दूरी पर था। दूरी होने के कारण उचित समय पर उनको उपचार नहीं मिल पाया, जिसके कारण उनका निधन हो गया। यह बात उनके दिल को लग गयी, इसके बाद मांझी ने संकल्प लिया कि वह अकेले अपने दम पर पहाड़ के बीचों-बीच से रास्ता निकालेंगे और केवल एक हथौड़ा और छेनी लेकर खुद अकेले ही 360 फुट लंबी 30 फुट चौड़ी और 25 फुट ऊंचे पहाड़ को काटकर एक सड़क बना डाली। 22 वर्षों के अथक परिश्रम के बाद, दशरथ की बनायी सड़क ने अतरी और वजीरगंज ब्लाक की दूरी को 55 किलोमीटर से 15 किलोमीटर कर दिया। लोगों ने इन्हें पागल कहा लेकिन इस बात ने इनके निश्चय को और भी मजबूत किया। उन्होंने अपने काम को 22 वर्षों (1960-1982) में पूरा किया। कुछ ने ताने कसे लेकिन उनमें से कुछ ने उन्हें खाना दिया और औज़ार खरीदने में उनकी सहायता भी की। एक इंसान जिसके पास नहीं पैसा था, ना हीं ताकत थी, उसने एक पहाड़ खोद दिया, उनकी जिंदगी से हमें एक सीख मिलती है, की हम किसी भी कठिनाई को आसानी से पार कर सकते है, अगर आप में उस काम को करने की ज़िद है। कैंसर से पीड़ित मांझी का 73 साल की उम्र में, 17 अगस्त 2007 को निधन हो गया। दशरथ मांझी, जिसने अपने जज्बे और जुनून से सारा जोर अपने लक्ष्य को पाने में लगा दिया और जब तक चैन से नहीं बैठ जब तक सफल नही हो गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष योजना फलीभूत होगी। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। आय में वृद्धि होगी।

वृषभ पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन आय में निश्चितता रहेगी। शत्रुभय रहेगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है।

कर्क प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। भाग्य का साथ मिलेगा।

सिंह परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे।

कन्या मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

तुला मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु बड़ा काम करने का मन बनेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

मकर निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

कुम्भ व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय होगी। संतुष्टि नहीं होगी। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें।

मीन उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कारोबारी सौदे बड़े हो सकते हैं।

तिलोत्तमा शोम संग नई पारी शुरू करेंगी श्वेता त्रिपाठी

श्वेता त्रिपाठी का काम

श्वेता त्रिपाठी मसान, हरामखोर, द इलीगल, कार्गो और कंजूस मक्खीचूस जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। वह वेब सीरीज क्या मस्त है लाइफ, मिर्जापुर और लाखों में एक में नजर आ चुकी हैं।

वेब सीरीज मिर्जापुर और फिल्म मसान में बेहतरीन अदाकारी करने वाली अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अब नई पारी शुरू करने के लिए तेयार हैं। वह जल्द ही प्रोडक्शन में डेब्यू करेंगी। वह अपनी पहली फीचर फिल्म मुझे जान ना कहो मेरी जान का प्रोडक्शन करने जा रही हैं। इसके लिए उन्होंने पाताल लोक की अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम के साथ हाथ मिलाया है। वैरायटी के मुताबिक फिल्म में विचित्र प्रेम कहानी दिखाई जाएगी और इसमें तिलोत्तमा शोम के साथ श्वेता त्रिपाठी भी होंगी।

वैरायटी के मुताबिक श्वेता त्रिपाठी ने कहा यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है। इसलिए नहीं कि बतौर प्रोड्यूसर यह मेरी पहली फिल्म है बल्कि इसकी कहानी की वजह से। उन्होंने आगे कहा प्रेम कहानियां बहुत ही ईमानदारी, खूबसूरती और सूक्षमता से बताई जानी चाहिए। चूंकि इस फिल्म में तिलोत्तमा शोम हैं, इसलिए यह और खास है। वह ना सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं बल्कि वह ऐसी इंसान हैं जिन पर मैं बहुत भरोसा करती हूं। लंबे समय से मैं चाहती थी कि हम साथ में काम करें। उनके बगैर मैं इस प्रोजेक्ट को शुरू नहीं कर सकती।

फिल्म में तिलोत्तमा शोम अहम किरदार निभाएंगी। इसका निर्देशन नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले फिल्ममेकर संजय नाग करेंगे। फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू हो सकती है।

तिलोत्तमा शोम ने कई बेहतरीन फिल्में दी हैं जिनमें मानसून वेडिंग, सर, शैडोबॉक्स और ए डेथ इन द गूंज शामिल हैं। वह दिल्ली क्राइम, द नाइट मैनेजर, और पाताल लोक जैसे शोज में नजर आई हैं।

स्ट्रीट फाइटर के जरिए हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं विद्युत जामवाल

बॉलीवुड | **मसाला**

अपने एक्शन के लिए जाने जाने वाले अभिनेता विद्युत जामवाल अब हॉलीवुड फिल्म में अपनी एंट्री करने जा रहे हैं। लाइव-एक्शन फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' की स्टार कास्ट में शामिल हो गए हैं। यह एक प्रतिष्ठित वीडियो गेम फ्रैंचाइजी पर आधारित फिल्म है।

डेडलाइन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, विद्युत इस हॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में धालसिम के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए विद्युत हॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। असल जीवन में मार्शल आर्ट में माहिर विद्युत जामवाल के इस फिल्म में आने से अब उनके फैंस काफी उत्साहित हैं।

धालसिम का उनका किरदार एक चमत्कारी फायर ब्रीथिंग योगी है। जो योग और मार्शल आर्ट्स में माहिर है। इसे पहली बार 1991 में 'स्ट्रीट फाइटर ढ्ढ' में दिखाया गया था। धालसिम केवल अपने परिवार की रक्षा और समर्थन के लिए लड़ता है।'स्ट्रीट फाइटर' का निर्देशन किताओ सकुराई ने किया है, जिन्हें 'बैड ट्रिप' और 'आर्डवार्क' के लिए जाना जाता है। इसमें डेविड डस्टमालचियन भी एक विलेन की भूमिका में हैं, उनके साथ एंड्रयू कोजी, नोआ सेंटीनो, जेसन मोमोआ, रोमन रेंस, ऑरविल पेक और एंड्रयू शुल्ज भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह वीडियो गेम सीरीज आधिकारिक तौर पर 1987 में शुरू की गई थी और यह एम. बाइसन द्वारा एक वर्ल्ड फाइटिंग टूर्नामेंट के रूप में आयोजित मार्शल आर्ट कलाकारों के ग्रुप्स के बीच आमने-सामने की जबरदस्त लड़ाई के इर्द-गिर्द घूमती थी। इसके साथ ही विद्युत जामवाल भी आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण, तब्बू और इरफान खान समेत उन बॉलीवुड कलाकारों की श्रेणी में शामिल हो गए हैं, जो हॉलीवुड की फिल्मों में नजर आ चुके हैं।

बॉलीवुड | **मन की बात**

पूरी इंडस्ट्री ने मनाया मेरी फिल्म के फ्लॉप होने का जश्न : फराह

फराह खान फिल्म डायरेक्टर होने के साथ-साथ कंटेंट क्रिएटर भी हैं। वो अपने अपने यूट्यूब चैनल पर कुकिंग व्लॉग चलाती हैं और सेलिब्रिटी के घर जाती रहती हैं। हाल ही में फराह खान ने जैकी भगनानी और रकुल प्रीत से मुलाकात की। इस दौरान फराह ने बॉलीवुड को लेकर बड़ा बयान दिया। बता दें कि अपने नए कुकिंग व्लॉग में फराह खान बॉलीवुड एक्टर जैकी भगनानी और रकुल प्रीत के घर पहुंचीं। यहां कुकिंग के अलावा उन्होंने करियर और फिल्मों को लेकर बात की। इसी बातचीत में जैकी ने कहा कि जब उनकी प्रोड्यूस की गई फिल्म बेलबॉटम फ्लॉप हुई तो लोगों ने काफी गंदे कमेंट किए थे। इस फराह खान को अपनी पुरानी फिल्म याद आ गई। जैकी से बात करते हुए फराह खान को उनके डायरेक्शन में बनी फिल्म तीस मार खां को लेकर बड़ा बयान दिया। फराह ने कहा, हमारी इंडस्ट्री में लोग अपनी सफलता पर खुश होने से ज्यादा दूसरों की असफलता पर खुश होते हैं। मुझे याद है कि जब मेरी फिल्म तीस मार खां रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हुई तो बॉलीवुड में जश्न का माहौल था। जिन लोगों के साथ मैंने काम किया उनका कहना था- अभी आई ना लाइन पर। हालांकि फराह ने एंड में कहा कि मेरी यह फिल्म जेन-ं को पसंद है।वहीं इस बातचीत के बीच फराह कहती हैं कि जैकी, हम लोगों को भी प्रोड्यूसर बनना है। इस पर जैकी हंसते हुए जवाब देते है कि प्रोड्यूसर मत बनना। इस पर फराह मजाकिया लहजे में कहती है, हां प्रोड्यूसर मत बनना, क्योंकि पहले इनके पास दस फ्लोर थे और प्रोड्यूसर बनने के बाद सिर्फ 5 ही बचे हैं। बता दें कि भगनानी प्रोडक्शन कंपनी के बनैर तले बने फिल्म बड़े मियां छोटे मियां बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुई थी। फराह ने भगनानी परिवार को हुए नुकसान के बारे में बात करते हुए कहा, ये बहुत बड़ा झटका था। लोग बर्बाद हो जाते हैं। आप बस आगे बढ़ते रहो।

गेंहू-धान नहीं, सिर्फ छिपकली की खेती करती है ये लड़की, दीवार पर बना रखा है छिपकली बगीचा

सोशल मीडिया पर हाल ही में एक वीडियो ने तहलका मचा दिया है, जिसमें चीन की एक लड़की अपने घर की दीवार पर चादर के पीछे छिपकलियों की फार्मिंग करती नजर आ रही है। इस वीडियो ने भारत में खासा हंगामा मचाया है क्योंकि जहां चीन में छिपकली फार्मिंग एक आम प्रथा है, वहीं भारतीयों के लिए यह दृश्य हैरान करने वाला है। वीडियो में लड़की ने दीवार पर बनाए गए एक अनोखे 'छिपकली बगीचे' को दिखाया, जो चादर के पीछे छिपा हुआ था। वीडियो में एक युवा चीनी लड़की अपने घर की दीवार पर लगी चादर को हटाकर छिपकलियों की एक छोटी-सी कॉलोनी दिखाती है। ये छिपकलियां दीवार पर बनाए गए छोटे-छोटे खांचों और कृत्रिम वातावरण में रह रही हैं। लड़की बिना किसी डर के इन छिपकलियों को संभालती है और उनकी देखभाल करती है। लड़की ना सिर्फ इन्हें खाना देती है बल्कि इनके रहने की जगह की साफ-सफाई भी देखती है।

भारत में छिपकलियों को आमतौर पर घरों में अशुभ या परेशानी का प्रतीक माना जाता है। लोग इन्हें दीवारों पर देखकर डरते हैं या इन्हें भगाने की कोशिश करते हैं। ऐसे में, किसी का छिपकलियों की फार्मिंग करना और उन्हें पालतू जानवर की तरह रखना भारतीयों के लिए अकल्पनीय है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद यूजर्स ने तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दीं। एक यूजर ने लिखा, ये क्या पागलपन है? छिपकली को पालना कौन चाहेगा? वहीं, एक अन्य ने मजाक में कहा, भारत में तो लोग छिपकली देखकर चप्पल उठा लेते हैं और ये इसे पाल रहे हैं! चीन में छिपकली और अन्य सरीसृपों की फार्मिंग कई कारणों से की जाती है। कुछ प्रजातियों, जैसे मॉनिटर लिजर्ड और गेको को उनके मांस और औषधीय गुणों के लिए पाला जाता है। ये सरीसृप पारंपरिक चीनी चिकित्सा में उपयोग किए जाते हैं, क्योंकि माना जाता है कि इनके कुछ हिस्सों में एंटी-इंफ्लेमेटरी और इम्यून-बूस्टिंग गुण होते हैं। इसके अलावा कुछ लोग इन्हें विदेशी पालतू जानवर के रूप में भी रखते हैं। हालांकि, भारत में इस तरह की प्रथा को लेकर संवेदनशीलता अलग है।

अजब-गजब | **इस मां ने कर डाली अजीबो-गरीब हरकत**

अपने शौक पूरे करने के लिए महिला ने बेच दिया अपने ही बच्चों को

कहते हैं कि मां और बच्चों का रिश्ता सबसे पवित्र और मजबूत होता है। मां अपने बच्चों के लिए कुछ भी कर सकती है। कोई मां अपने बच्चों के लिए बुरा नहीं सोच सकती। लेकिन एक मां ने इस रिश्ते को कलंकित कर दिया। दरअसल, एक मां ने अपने शौक कि लिए अपने बच्चों को ही बेच डाला। यह घटना चीन की है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, एक महिला जब अपनी जिम्मेदारी को पूरा नहीं कर पाई तो उसने अपने पहले बेटे को बेच दिया और दूसरे बच्चे को तो उसने जन्म ही इसलिए दिया ताकी वो उसे बेच सके।

रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिणी चीन के गुआंग्शी प्रांत में रहने वाली 26 वर्षीय हुआंग नाम की महिला ने अपने बच्चों को बेच दिया। दरअसल हुआंग एक गोद ली हुई बच्ची थी और जब उसके दत्तक माता-पिता उसकी शिक्षा और देखभाल सही से नहीं कर पाए तो उसने छोटी उम्र में ही अपना घर छोड़ दिया। इसी कारण वो सिर्फ प्राथमिक स्कूल तक ही पढ़ाई कर पाई। हुआंग ने अक्टूबर 2020 में अपने पहले बेटे को जन्म दिया मगर पैसों की कमी और बच्चे के पिता के न होने के कारण जिम्मेदारी नहीं उठा पाई। इसके बाद उसने उसे बेचने का फैसला किया। हुआंग के मकान मालिक को इसके बारे में पता चला उसने ली नाम के एक शख्स से मिलवाया जो लंबे समय से एक बच्चा गोद लेना चाहता था। हुआंग ने अपने बेटे को ली के परिवार को बेच दिया। महिला ने उसे 45,000 युआन यानी 6,300 अमेरिकी डॉलर में बेचा।

इसके बाद हुआंग ने दूसरे बच्चे को जन्म इसलिए दिया ताकी उसे वो बेच सके। पहले बच्चे को बेचने के बदले जो पैसा मिला उसे महिला ने लाइव स्ट्रीमिंग में उड़ा दिया। इसके बाद वह दूसरे पुरुषों को खोजने लगी ताकी वो प्रेग्नेंट हो सके और बच्चे को फायदे के लिए बेच सके। साल 2022 में हुआंग ने अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया और उसे एक ब्रोकर को 38,000 युआन यानी 5,300 अमेरिकी डॉलर में बेच दिया। रिपोर्ट के मुताबिक हुआंग ने ये सारा पैसा लाइव स्ट्रीमर्स को टिप्स देने, शॉपिंग आदी में उड़ा दिया।

पुलिस को साल 2022 में 13 अप्रैल को हुआंग की धोखाधड़ी के बारे में कुछ जानकारी मिली। इसके बाद जांच शुरू की गई तो पुलिस को हुआंग के फोन में बच्चों को बेचने के संबंध में कुछ चैट मिली। इसके बाद पुलिस ने दोनों बच्चों को बचा लिया। वहीं इस मामले में फूजौ जिनान पीपुल्स कोर्ट ने 8 जुलाई को हुआंग को धोखाधड़ी करने और बच्चे बेचने के लिए 5 साल 2 महीने की जेल की सजा सुनाई। इसके साथ ही 30 हजार युआन का जुर्माना भी लगाया। वहीं ली को तस्करी के जरिए बच्चा खरीदने के लिए 9 महीने की सजा और एक साल के लिए सस्पेंड किया गया। वहीं वेई को 7 महीने की जेल की सजा हुई।

एलजी ने किया लोकतंत्र का अपमान : सुरिंदर चौधरी

» उपमुख्यमंत्री बोले- माफी मांगें उपराज्यपाल, पुलिस इतनी बेलगाम तो जिम्मेदार कौन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने हाल ही की घटनाओं को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है और इसे लोकतंत्र का कत्ल बताया है। उन्होंने उमर अब्दुलल्ला के साथ हुई धक्का-मुक्की की कड़ी निंदा करते हुए इसे सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक संस्थान की अवमानना बताया। चौधरी ने कहा यह सिर्फ उमर अब्दुल्ला साहब की इंसल्ट नहीं है, यह पूरी जम्मू-कश्मीर विधानसभा की, यहां के लोगों की, और लोकतंत्र की बेइज्जती है। जिन लोगों ने वोट डालकर सरकार बनाई, उनका अपमान हुआ है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एलजी की यह जिम्मेदारी है कि वे कानून-व्यवस्था पर नियंत्रण रखें और यदि पुलिस बेलगाम है तो इसके लिए जिम्मेदार भी वही हैं।

चौधरी ने मांग की कि एलजी को जम्मू-कश्मीर के लोगों, विधानसभा और सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों से माफी मांगनी चाहिए। इतिहास की चर्चा करते हुए उन्होंने 13 जुलाई 1931 की शहादतों का जिक्र किया और कहा कि वह बलिदान अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ था, न कि किसी राजा या राज्य के खिलाफ। उन्होंने सवाल उठाया कि आज जिस तरह की कार्रवाई की जा रही है, क्या वह अंग्रेजों की सोच और गोडसे की विचारधारा को दर्शाती है? उन्होंने राजनीतिक दलों पर भी निशाना साधा और कहा, जो राजनीतिक पार्टियां आज चुप हैं, उन्हें जनता तय करेगी कि वे लोकतंत्र के साथ हैं या भाजपा की, बी या सी टीम हैं। चौधरी ने कहा कि यह लड़ाई किसी व्यक्ति की नहीं बल्कि एक संस्था की गरिमा की है। उमर अब्दुल्ला कोई आम व्यक्ति नहीं, बल्कि एक मुख्यमंत्री और राजनीतिक दल के प्रमुख हैं। उनके साथ किया गया व्यवहार लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है।

उर्दू की अनिवार्यता के खिलाफ भाजपा के विधायकों का प्रदर्शन

नायब तहसीलदार भर्ती परीक्षा में उर्दू भाषा को अनिवार्य किए जाने के विरोध में भाजपा के सभी विधायकों ने सोमवार को सिविल सचिवालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। विधायकों ने दो घंटे तक धरना दिया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विधायकों ने प्रदेश सरकार के आदेश को जम्मू के युवाओं के साथ खुला अन्याय और क्षेत्रीय भेदभाव करार दिया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह केवल भाषा का मामला नहीं है, यह अधिकार, अवसर और समान व्यवहार का सवाल है। जम्मू-कश्मीर में उर्दू एक आधिकारिक भाषा है, लेकिन एकमात्र नहीं। जब संविधान में कई भाषाओं को मान्यता है, तो सिर्फ उर्दू को अनिवार्य क्यों बनाया गया। उन्होंने बताया कि बीजेपी इस फैसले को लेकर पहले ही लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके आजमा चुकी है। हमने उपराज्यपाल से लेकर मुख्यमंत्री तक अपनी बात पहुंचाई, ज्ञापन सौंपे और प्रतिनिधिमंडल मिलवाए, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। एलजी ने माना कि यह मामला राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है।

साय सरकार में भ्रष्टाचार की महिमा अपरंपार

कांग्रेस ने सरकार को घेरा, बीजेपी का खंडन

» एक जग की कीमत 32 हजार, 51 लाख रुपये में खरीदे 160 जग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने बलौदाबाजार जिले में आदिवासी छात्रावासों के लिए जेम पोर्टल के जरिये 51 लाख रुपये में 160 स्टील जग खरीदने का आरोप लगाया है। मामले में कांग्रेस बीजेपी की विष्णुदेव साय सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस ने इसे भ्रष्टाचार का चरम बताया है और मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। दूसरी ओर बीजेपी ने इसका खंडन किया है। कांग्रेस ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि यह वर्ल्ड कप नहीं, विष्णुदेव का 'स्टील जग' है।

एक स्टील के जग की कीमत 32,000 रुपये और 160 नग की खरीदी 51,00,000 रुपये है। बेशर्मों ने आदिवासी बच्चों के पैसे को भी नहीं छोड़ा। दूसरे कांग्रेस के ट्वीट में लिखा है कि यह स्टील का जग है या सोने का? आदिवासी बच्चों के मग्गे में भी जनजातीय सीएम का कमिशन, एक जग की कीमत 32 हजार, 160 नग की खरीदी 51 लाख में..पियो पानी .. तीसरे ट्वीट में लिखा कि एक स्टील जग- 32,500 रुपए का , 160 स्टील जग- 52 लाख रुपए के.हम मजाक नहीं कर रहे- ये घपलेबाजी छत्तीसगढ़ में भजपा सरकार ने की है। भाजपा ने दलितों-आदिवासियों के विकास के बजट को भीनहीं छोड़ा और अपनी सुविधा के लिए उनके पैसों में आग लगा दी। भाजपा सरकार जहां - भ्रष्टाचार वहां।

भाजपा सरकार जहां-जहां भ्रष्टाचार वहां : दीपक बैज

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अच्छा है, छात्रावास आदिवासियों का है, मुख्यमंत्री भी आदिवासी हैं। अब सरकार का तो भगवान ही मालिक है। 32 हजार रुपये में एक जग खरीदा जा रहा है क्या यह कोई जादुई जग है? सोने या तांबे का जग है ? इसलिए हम कह रहे हैं कि इस सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। जिम्मेदार कौन है? पूरे प्रदेश के आदिवासी छात्रावासों की जांच होनी चाहिए।

36 घंटे तक बंद कमरे में सड़ी बच्ची की लाश, मां ने की थी हत्या

» नशा उतरा तो पुलिस को दी झूठी सूचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के कैसरबाग स्थित खंदारी बाजार में एक मां ने अपनी ही 5 साल की मासूम बेटी सायनारा उर्फ सोना की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी मां रोशनी खान ने अपने आशिक उदित जायसवाल के साथ मिलकर बेटी के पेट पर खड़े होकर उसका गला घोंट दिया।हत्या के बाद दोनों नशे की हालत में लाश को 36 घंटे तक बंद कमरे में छिपाए रहे। कमरे से दुर्गंध उठने लगी तो परफ्यूम छिड़ककर दुर्गंध दबाने की कोशिश की गई। जैसे-जैसे नशा उतरा, रोशनी ने अपने पति को फंसाने की साजिश रची और पुलिस कंट्रोल रूम पर कॉल कर बेटी की हत्या का आरोप पति पर लगाया।

सूत्रों के मुताबिक मौके पर पहुंची पुलिस को कमरे में शराब की खाली बोतलें और भारी दुर्गंध मिली। पूछताछ में सच सामने आ गया कि मां ही मासूम की हत्यारी है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि रोशनी पहले अपने ससुरालवालों को दुष्कर्म के मुकदमे में जेल भिजवा चुकी है और अब पति को फंसाकर पूरे घर पर कब्जा करना चाहती थी। फिलहाल पुलिस ने मां रोशनी खान और उसके प्रेमी उदित जायसवाल को गिरफ्तार कर लिया है।

आप ने दिया शिअद को झटका

» हरमीत संधू पार्टी में शामिल उपचुनाव के हो सकते हैं प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चण्डीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) को बड़ा झटका लगा है। तरनतारन से तीन बार विधायक रहे हरमीत सिंह संधू को आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए हैं। संधू के आप में शामिल होने के बाद सियासी समीकरण बदले नजर आ रहे हैं। सियासी माहिरों की मानें तो तरनतारन में होने वाले उपचुनाव में वह आप के प्रत्याशी हो सकते हैं। हालांकि आप से संबंधित कई नेता संधू की पार्टी में एंट्री से पहले ही हाय तौबा मचा रहे थे।माझे की सियासत में केंद्र रहे कैरों परिवार की अगुवाई में संधू वर्ष 1998 में सियासत में कूदे थे।

2002 में आजाद तौर पर, 2007 में शिअद की टिकट पर व 2012 में संधू ने तीसरी बार तरनतारन से जीत दर्ज करवाई थी। वह दो बार बादल की सरकार में सीपीएस भी रहे।नवंबर 2024 में उन्होंने शिअद से त्याग पत्र दे दिया था। शिअद के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल व पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया के करीबी रहे संधू को उपचुनाव में आप का प्रत्याशी बनाया जा सकता है। उपचुनाव के लिए तरनतारन में आप की टिकट के लिए कई दावेदार थे। हालांकि कुछ नेता संधू की पार्टी में एंट्री का विरोध करते हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा को मिले। मंगलवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हरमीत सिंह संधू को आप में शामिल करते नए सियासी समीकरण पैदा कर दिए। संधू की पार्टी में एंट्री वीआईपी ढंग से हुई। उनको चंडीगढ़ आने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपना चोपर भेजा। कहा जाता है कि संधू को पार्टी में शामिल करने से पहले भगवंत मान ने टीम के माध्यम से सर्वे करवाया।

आप सरकार के काम से प्रभावित हूं : संधू

इस मौके पर हरमीत संधू ने कहा कि करीब 30 वर्षों से वह सियासत में हैं और हर बार तरनतारन के लोगों ने मुझे पूरा प्यार और सम्मान दिया। लेकिन अब हालात काफी बदल चुके हैं। 2002 में मुझे लोगों ने आजाद उम्मीदवार के तौर पर करीब 7000 वोटों से जिताया। आप सरकार की साफ नीति और नियत ने मुझे आम आदमी पार्टी में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। मान सरकार ने पिछले तीन वर्षों में अच्छी नीति और साफ नीयत के साथ पंजाब के विकास के लिए काम किया है। इसलिए मेरा भी फर्ज बनता है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान का सहयोग करें और सरकार के साथ मिलकर अपने इलाके का विकास करें। इसके मैं मान सरकार द्वारा विधानसभा में बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून लाने के फैसले से भी बेहद प्रभावित हूं। यह कानून लाना पंजाब और सिख संगतों के लिए बहुत जरूरी था।

पाकिस्तान श्रीलंका में खेलेगा अपने सभी मैच

» महिला विश्व कप इंग्लैंड और न्यूजीलैंड से अभ्यास मैच खेलेगा भारत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत इस साल सितंबर-अक्तूबर में अपनी और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले महिला वनडे विश्व कप से पहले बंगलूरू में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा। पाकिस्तान अपने अभ्यास मैच और विश्व कप मैच दोनों श्रीलंका में खेलेगा। यह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आपसी सहमति से तय किया है।

भारतीय टीम पहला अभ्यास मैच बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र के मैदान पर 25 सितंबर को इंग्लैंड के साथ खेलेगी। दूसरा अभ्यास मैच विश्वकप शुरू होने से तीन दिन पहले 27 सितंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ चिन्नास्वामी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के साथ खेलेगी। पाकिस्तान केअभ्यास मैच 25 और 28 सितंबर को कोलंबो में श्रीलंका और श्रीलंका की ए टीमों के साथ होंगे। पचास ओवरों का विश्वकप 12 साल बाद भारतीय उपमहाद्वीप में हो रहा है। यह 30 सितंबर से दो नवंबर तक पांच शहरों बंगलूरू, गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाएगा।

भारत-इंग्लैंड अंडर-19 टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त

बेकेनहम। भारत और इंग्लैंड की अंडर-19 टीमों के बीच 12 जुलाई से शुरू हुआ यूथ टेस्ट मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इंग्लैंड अंडर-19 टीम के कप्तान हमजा शेख ने शतकीय और बेन मेयस व थॉमस रियू ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। भारत ने मेजबानों के सामने 350 रनों का लक्ष्य रखा था। भारत ने दूसरी पारी में 10 विकेट पर 248 रन बनाए। इससे पहले टीम ने शुरुआती पारी में 540 रन बनाए जबकि इंग्लैंड की पहली पारी 439 रन पर समाप्त हुई। इस आधार पर भारत को 101 रन की बढ़त मिली थी। चौथे दिन 128/3 के स्कोर से खेलने उतरी भारतीय टीम ने 248 रन बनाकर इंग्लैंड पर 349 रनों की बढ़त बना ली। जवाब में इंग्लैंड की टीम ने 63 ओवर में सात विकेट पर 270 रन बनाए और मुकाबला बचा लिया। भारतीय अंडर-19 टीम दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त लेने से चूक गई।

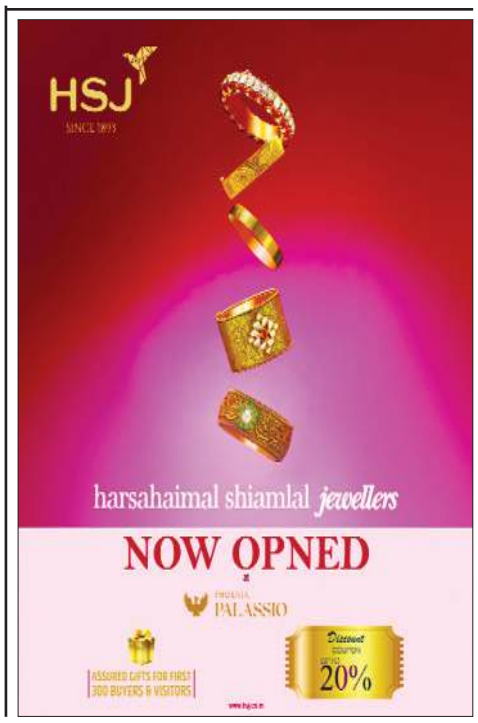

न्याय की लड़ाई में पूरी तरह साथ हैं : राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद ने बालासोर की छात्रा के पिता से बात की, नेता प्रतिपक्ष ने मदद का दिलाया भरोसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ओडिशा के बालासोर में आत्मदाह करने वाली छात्रा के पिता से बुधवार को बात की और उन्हें न्याय की लड़ाई में पूरी मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ओडिशा के बालासोर में इंसाफ की लड़ाई में जान गंवाने वाली बहादुर बेटी के पिता से बात की।

एक प्रोफेसर द्वारा कथित यौन उत्पीड़न के बाद खुद को आग लगाने वाली कॉलेज छात्रा का शव मंगलवार को ओडिशा के बालासोर जिले में उसके गाँव के एक श्मशान घाट में जला दिया गया। बालासोर आत्मदाह मामले में एक चौंकाने वाले घटनाक्रम में, मृतका के पिता ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की हत्या की गई है, न कि आत्महत्या, जैसा कि शुरुआत में बताया गया था। यह घटना मंगलवार को ओडिशा के बालासोर जिले में हुई। न्याय की गुहार लगाते हुए, शोकाकुल पिता ने राज्य सरकार से मामले की हत्या मानकर जांच करने और सभी जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने का आग्रह किया। उन्होंने एक बयान में कहा, सभी ने मिलकर मेरी बेटी को यह कदम उठाने के लिए मजबूर किया। क्या यह हत्या नहीं है?उन्होंने आगे कहा, मेरा मानना है कि यह एक साजिश थी। वह कॉलेज में खुलकर बोलती थी, और कुछ लोग इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते थे। उन्होंने कॉलेज प्रिंसिपल के कार्यालय में उसकी आखिरी यात्रा को लेकर भी गंभीर चिंता जताई और सुझाव दिया कि उसकी मौत से जुड़ी परिस्थितियों की गहन जांच की जानी चाहिए।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हम हर हाल में यह सुनिश्चित करेंगे कि पीड़ित परिवार को पूरा न्याय मिले।

भाजपा के भ्रष्टचार के कारण बर्बाद हो रही है सार्वजनिक व्यवस्था

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मानसून में हुए कुछ पुल हादसों तथा अन्य बड़ी दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ''भ्रष्टाचार'' के कारण बर्बाद होती सार्वजनिक व्यवस्था का दंश झेल रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, ''मानसून आया और साथ ही आपके टैक्स के पैसे भी बहा ले गया, भाजपा के भ्रष्टाचार की गंदगी में। हर बार जब कोई पुल गिरता है, हर बार जब कोई सड़क बह जाती है, हर बार जब कोई ट्रेन पटरी से उतरती है समझ लीजिए, ये सिर्फ़ निर्माण की असफलता नहीं, ये आपकी जेब से एक संगठित लूट है।'' उन्होंने कहा कि हर बार जब हादसे में किसी के प्रिय की जान जाती है और कोई जिम्मेदार नहीं ठहराया जाता, तो वो दुर्घटना नहीं, हत्या होती है। उन्होंने हाल की कुछ प्रमुख दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए कहा, ''हर दिन, हर साल भारत के छोटे गांव से लेकर बड़े शहर तक लोग इस बर्बाद होती सार्वजनिक व्यवस्था का दंश झेल रहे हैं।''उन्होंने कहा, ''अब सरकार से जवाब मांगने का वक्त आ गया है। इनकी नाकामी की जवाबदेही तय करने का और उसके नतीजों की ज़िम्मेदारी लेने को मजबूर करने का समय है।

पीएम मोदी को इस विषय पर चुप्पी नहीं साधनी चाहिए

राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सिस्टम ने इस लड़की की हत्या की है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस विषय पर चुप्पी नहीं साधनी चाहिए, बल्कि जवाब देना चाहिए। बालासोर जिले के एक कॉलेज की छात्रा ने शनिवार को कथित तौर पर संस्थान परिसर में खुद को आग लगा ली थी और वह 90 प्रतिशत तक झुलस गई थी। उसकी मंगलवार को मौत हो गई। छात्रा ने इससे पहले एक शिक्षक के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी।

मौत का गोला बनते-बनते बची...

यात्रियों को घंटों इंतजार करवाया गया

पर बड़ा सवाल यह है कि क्या ये सिर्फ एक छोटी-मोटी तकनीकी खराबी थी या कोई और गंभीर बात। और अगर ये कार्गो में आग की बात थी तो अगले दिन उसी कार्गो के साथ यात्रियों को क्यों उड़ाया गया। सब से खतरनाक बात जो थी वो थी इंडिगो के लोगों का रवैया। यात्रियों को बिना किसी स्पष्ट जानकारी के घंटों इंतजार करवाया गया। इंटरनेट पर फ्लाइट 6-ई 104 का रिकॉड बदल दिया गया। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट पर 27 जून को दिखाया गया कि फ्लाइट सुरक्षित रूप से दिल्ली पहुंच गई। पर जो यात्री उसमें सवार थे उन्होंने 4पीएम को बताया यह सच नहीं है। जब यात्रियों को टर्मिनल में बैठाया गया तो पायलट ने एनाउंस किया कि सभी एजेंसी हमारा सहयोग कर रही है। एक यात्री ने बताया कि उनको कु छ भी स्पष्ट तरीके से नहीं बताया जा रहा है।

7 अगस्त 2020 को कोझिकोड हुआ था क्रैश

कई बार उठ चुके हैं हवाई सुरक्षा पर सवाल

ये पहली बार नहीं है जब भारत में हवाई सुरक्षा पर सवाल उठे है। भारत का विमानन इतिहास कई ऐसी घटनाओं से भरा हुआ है जिसमें कहीं न कही पारदर्शिता की बहुत कमी दिखती है। आइये कु छ प्रमुख हवाई दुर्घटनाओं पर एक नजर डालते हैं।

1- एयर इंडिया फ्लाइट 855 जो एक जनवरी 1978 को मुंबई से दुबई जा रही थी। इस फ्लाइट में इंस्ट्रुमेंट फेल हो जाने की वजह से फ्लाइट क्रैश हो गयी और 213 यात्रियों और क्रू मेंबर्स में से कोई नहीं बचा। जांच में पायलट की गलती और उपकरणों को जिम्मेदार ठहराया गया।

2- 1973 में इंडियन एयरलाइन्स की फ्लाइट संख्या 440 चेन्नई से दिल्ली जा रही थी। धूल भरी आंधी के कारण यह प्लेन क्रैश हो गया और 48 लोगों की जान चली गयी। इसमें भी पायलट की गलती और खराब मौसम को कारण बताया गया।

3- कोझिकोड क्रैश 7 अगस्त 2020 को हुआ जब एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या 1334 दुबई से कोझिकोड लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसल गयी इसमें भी 190 यात्रियों में से 21 की मौत हो गयी। खराब मौसम, पायलट ट्रेनिंग और एयरपोर्ट की खामियों को ही इस दुर्घटना का जिम्मेदार बताया गया।

3- एयर इंडिया की हाल ही में दुर्घटनाग्रस्त हुई फ्लाइट संख्या 171 जो टेकऑफ के तुरंत बाद क्रैश हो गयी जिसमें 241 यात्रियों की मौत हो गयी।

पारदर्शिता की कमी और सुधारों में लापरवाही दिखी

इन सभी हादसों में एक बात कामन थी वो थी पारदर्शिता की कमी और सुधारों में लापरवाही हर बार एयरलाइन्स और सरकार ने कोशिश की कि सच्चाई को दबा दिया जाये ताकि भारत की छवि अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर खराब न हो। इंडिगो भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन्स है। इसके पास 64.1 मार्केट शेयर है। हर दिन इसकी 2200 से ज्यादा उड़ाने संचालित होती है। इतनी बड़ी जिम्मेदारी के बावजूद इंडिगो ने फ्लाइट 6ई 1014 की घटना को दबाने की कोशिश क्यों की। क्या ये सिर्फ उनकी छवि बचाने की कोशिश थी या कु छ और गंभीर?

पिछले कुछ महीनों में आई कई तकनीकी समस्याएं

1- पिछले कुछ महीनों में इंडिगो की कई फ्लाइटस में तकनीकी समस्या आयी है।

2- 21 मई 2025 को दिल्ली से श्रीनगर जा रही फ्लाइट 6ई 2142 में ओला वृष्टि के कारण नोज कोन टूट गया जिससे जहाज को वापस लौटना पड़ा।

3- 19 जून 2025 दिल्ली से लेट जा रही फ्लाइट 6ई 2006 में इंजन की खराबी के कारण इमेरजेंसी लैडिग करानी पड़ी।

4- नौ जुलाई 2025 को पटना से दिल्ली जा रही फ्लाइट 6ई 5009 को पक्षी से टकराने के कारण वापस लौटना पड़ा।

5- 16 जून- लखनऊ से मुंबई जा रही इंडिगो की फ्लाइट को अचानक कैसिल कर दिया गया। यात्री विनय तिवारी ने बताया कि इंडिगो के कर्मचारियों का व्यवहार बेहद खराब था और घंटों तक यात्रियों को सही सूचना नहीं दी गयी।

इंडिगो की फ्लाइट में बार-बार आ रही है समस्या

यह सारी घटनाएं साफ - साफ बता रही है कि इंडिगो की फ्लाइट में बार-बार समस्या आ रही है लेकिन हर बार इंडिगो इसे छिपा रहा है। क्या ये सिर्फ संयोग है या मैंटीनेंस और सुरक्षा में लापरवाही। फ्लाइट 6ई 1014 में बैठे यात्रियों ने बताया कि जलने की गंध इतनी तेज थी कि उनको लगा कि जहाज में आग लग गयी फिर भी इंडियो ने कह दिया कि पायलट को गलतफहमी हो गयी थी। आग जैसी कोई घटना नहीं घटी। बड़ा सवाल ये भी है इन सब बातों के बाद भी सरकार कहां है। डीजीसीए ने 2023 में इंडिगो पर आपरेशन और मैंटेनेंस में खामियों के लिए तीस लाख रूपये का जुर्माना लगाया था पर क्या ये काफी है। एक ऐसी एयरलाइन्स जो हर दिन लाखों यात्रियों को लेकर उड़ती है क्या सिर्फ तीस लाख के जुर्माने से सुधर जायेगी। सूत्रों के मुताबिक आने वाले सालों में भारत में होने जा रहे बड़े प्रयोजन के लिए ही मामले को दबाया जा रहा है जिससे दुनिया भर में यह संदेश ना चला जाये कि भारत का एयर स्पेस खतरनाक है। मगर यदि ये ऐसा है तो और खतरनाक है क्योंकि इससे हजारों यात्रियों की जान हमेशा खतरे में रहेगी। यह समय चुप बैठने का नहीं है। 27 जून 2025 को इंडिगो की फ्लाइट 6 ई 1014 में जो हुआ वो सिर्फ एक हादसा नहीं बल्कि एक चेतावनी है। इंडिगो की चुप्पी और सरकार की लापरवाही हमको बता रही है कि हमको अपनी सुरक्षा के लिए खुद लड़ना होगा।

फोटो :4 पीएम

धरना डिलीवरी ब्वॉय की मौत पर नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन करते लोग।

मुआवजा और हत्या का मुकदमा लिखे जाने तक परिजन नहीं करेंगे दाह संस्कार

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। नगर निगम की लापरवाही सं डिलीवरी ब्वॉय की मौत हुई थी। परिजनों ने मुआवजा और हत्या का मुकदमा लिखे जाने तक शव के दाह संस्कार करने से मना कर दिया है। इसको लेकर वह धरना प्रदर्शन भी कर रहे हैं। परिजनों ने की मांग कि नगर निगम के लापरवाह जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही से हुई मौत से गैर इरादतन हत्या का मुकदमा लिखा जाय। नगर निगम घर के एक सदस्य को नौकरी दे। पीड़ित परिवार को बीस लाख का मुआवजा दिया जाए।नगर निगम आयुक्त को मौके पर आकर लिखित आश्वासन ना देने तक परिजन दाह संस्कार नही करने पर अड़े हैं। नगर निगम जोन 8 इब्राहिमपुर द्वितीय के गोपाल खेड़ा पुरसेनी में मृतक के परिजन कार्यवाही को लेकर कर रहे हंगामा प्रदर्शन। मंगलवार को पीजीआई थाना क्षेत्र अंतर्गत मामा चौराहे के पास सड़क किनारे पेड़ काट रहे नगर निगम कर्मचारियों की लापरवाही से रस्सी में फंस कर गिरने से बाइक सवार युवक की हुई थी दर्दनाक मौत हुई थी।

उदयपुर फाइल्स फिल्म निर्माता को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत

सूचना व प्रसारण मंत्रालय की बैठक के बाद अब बहस सोमवार को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उदयपुर फाइल्स फिल्म की रिलीज पर सुनवाई स्थगित कर दी, तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा गठित समिति के समक्ष समीक्षा याचिका की कार्यवाही के परिणाम का इंतजार किया। अदालत इस मामले की अगली सुनवाई सोमवार को करेगी। समिति बुधवार को दोपहर 2.30 बजे बैठक करेगी।

आरोपी मोहम्मद जावेद द्वारा बनाई गई फिल्म की रिलीज के खिलाफ आपत्ति पर भी सुनवाई करने का निर्देश दिया गया और समिति से इस मुद्दे पर तुरंत निर्णय लेने को कहा गया। अदालत ने फिल्म निर्माताओं और पीड़ित के बेटे कन्हैया लाल को पुलिस से संपर्क करने और यदि कोई खतरा महसूस होता है तो उन्हें सुरक्षा प्रदान करने की अनुमति दी है। फिल्म उदयपुर फाइल्स राजस्थान के उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल की हत्या पर आधारित है, जिनकी कथित तौर पर भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा पैगंबर मोहम्मद पर की गई टिप्पणी का समर्थन करने वाले एक सोशल मीडिया पोस्ट के कारण हत्या कर दी गई थी। मामले के आठवें आरोपी मोहम्मद जावेद ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर की। उन्होंने मुकदमा पूरा होने तक फिल्म की रिलीज़ पर रोक लगाने की मांग की। यह फिल्म पहले 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली थी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।